श्रीलंका को WHO ने खसरा मुक्त घोषित किया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में वशि्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization- WHO) ने श्रीलंका को खसरा (Measles) मुक्त घोषित किया है।

प्रमुख बिंदु:

- श्रीलंका, WHO द्वारा खसरा मुक्त घोषित होने वाला दक्षिण एशिया का 5वाँ देश बन गया है। श्रीलंका ने रूबेला नियंत्रण के एक वर्ष बाद ही खसरे पर भी नियंत्रण पा लिया है।
- इस क्षेत्र के खसरा मुक्त होने वाले अन्य देश मालदीव, भूटान, डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक (DPR) ऑफ़ कोरिया और पूर्वी तिमोर हैं।
- भूटान, मालदीव और तिमोर-लेस्ते के बाद श्रीलंका इस क्षेत्र का चौथा देश है, जिसने वर्ष 2020 तक इन बीमारियों को नियंत्रित करने के WHO के क्षेत्रीय लक्ष्य से पहले ही खसरे को समाप्त करने और रूबेला को नियंत्रित करने में सफलता प्राप्त की है।

- खसरा मुक्त होने से तात्पर्य है कि अंतिम तीन वर्षो में खसरे का कोई नया मामला सामने नहीं आया है।
- इसके अलावा जब कोई देश वर्ष 2008 के मामलों की तुलना में रूबेला के मामलों में 95% तक कमी लाने में सफल रहता है तब उसे रूबेला नियंत्रित देश माना जाता है।

- खसरा एक गंभीर और अत्यधिक संक्रामक बीमारी है। जो इन्सेफलाइटिस, दस्त, निर्जलीकरण, निमोनिया, कान में संक्रमण और स्थायी दृष्टि हानि जैसी घातक बीमारियों का कारण बन सकती है।

भारत की स्थिति

- **जहाँ श्रीलंका इस बीमारी को नियंत्रित करने में सफल रहा है, वहीं भारत** अभी भी इस बीमारी को नियंत्रित करने के मामले में काफी पीछे है, वर्ष 2018 के दौरान भारत में खसरे के 56,399 और रूबेला के 1,066 मामलों की पुष्टि की गई।

स्रोत : इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sri-lanka-has-eliminated-measles-announces-who